अध्याय-चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय – चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवँ व्याख्या

4.1 प्रस्तावना –

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समुह व उपसमुहों में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता हैं। जो नवीन सिध्दांत की खोज अथवा सामान्यीकरण के रूप में होता हैं प्रदत्तों के विश्लेषण के अंर्तगत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा करके शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया जाता है।

प्रदत्तों के विश्लेषण के माध्यम सें पूर्व निर्धारित परिकल्पनाओं कों क क्रमशः स्वीकृत अथवा अस्वीकृत किया गया है। सांख्यिकीय विधियाँ, विश्लेषण एवं स्पष्टीकरण के मुख्य उद्देश्य को पूरा करती है। सांख्यिकीय का उपयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर उनके परिणाम प्राप्त करने हेतु करते है।

विश्लेषण अभ्यास करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना शोध का प्रमुख हिस्सा होता हैं। यह अध्ययन का एक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण हिस्सा हैं क्योंकि इससे प्रदत्तों का सही उपयोग किया जाता हैं। व्याख्या के द्वारा हम एकत्रित प्रदत्तों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते है। सांख्यिकीय तथ्यों को अपने आप में कोई उपयुक्तः नही होती। एकत्रित प्रदत्तों की उपयोगिता उसकी सही व्याख्या पर निर्भर होती हैं। प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा कुल छह शुन्य परिकल्पना बनाई गयी तथा इस परिकल्पनाओं की जॉच 0.05 सार्थकता स्तर पर की गई है।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

❖ 4.2.1 परिकल्पना – 1

"कक्षा 8के अध्ययनरत छात्र व छात्राओं को मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क्र.4.2.1

कक्षा 8के छात्र व छात्राओं को मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों की तुलना।

क्र	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D)	टीमान (t)	सार्थक अंतर
1	छात्र	60	23.55	5.24	2.15	हैं।
2	छात्राओं	60	21.25	4.96		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 118
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.1 को देखने से ज्ञात होता हैं कि, ' t 'का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों अस्वीकृत करते हैं। और यह कह सकते हैं कि, कक्षा 8 के अध्ययनरत छात्र व छात्राओं की मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने ज्ञात होता हैं कि, छात्र की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (23.55) व छात्राओं की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (21.25) से अधिक है। अंतः हम कह सकते है कि, छात्रों को मराठी भाषा अधिगम में छात्राओं की अपेक्षा अधिक कठिनाइयाँ हैं।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश कि की, लेखन के किस घटक में कठिनाइयाँ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र. 4.2.2 में दिया है।

तालिका क्रं.4.2.2

कक्षा 8 के छात्र व छात्राओं को लेखन कौशलं के घटक में होनेवाली कठिनाईयाँ

क्र	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र. विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	छात्र	60	7.28	2.28	3.26	हैं।
		छात्राओं	60	5.87	2.47		
2	वाक्यरचना	छात्र	60	5.48	1.76	2.21	हैं।
		छात्राओं	60	4.82	1.53		
3	व्याकरण	छात्र	60	5.85	1.54	0.426	नहीं हैं।
		छात्राओं	60	5.97	1.46		
4	लेखन	छात्र	60	4.93	1.04	1.55	नहीं हैं।
		छात्राओं	60	4.96	1.29		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 118
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्रं. 4.2.2 को देखने सें ज्ञात होता हैं। कि, शब्दज्ञान व वाक्यरचना में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थकं हैं। हम यह कह सकते हैं, कि छात्र व छात्राओं को शब्दज्ञान व वाक्यरचना में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में सार्थक अंतर हैं।

मध्यमान को देखने से ज्ञात होता हैं कि, छात्र कों शब्दज्ञान व वाक्यरचना में छात्राओं सें अधिक कठिनाइयॉ होती है।

व्याकरण व लेखन में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं हैं। हम यह कह सकते हैं कि, छात्र व छात्राओं को व्याकरण व लेखन में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि, छात्र व छात्राओं कों व्याकरण व लेखन में होने वाली कठिनाइयाँ समान हैं।

❖ 4.2.2 परिकल्पना - 2

"कक्षा 8के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क्र.4.2.3

"कक्षा 8के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों की तुलना।

क्र	चर	विद्यार्थी संख्या(N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D)	टीमान (t)	सार्थक अंतर
1	शहरी	60	19.8	5	6.27	हैं।
2	ग्रामीण	60	25	4		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 118
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.3 को देखने से ज्ञात होता हैं कि,'t 'का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों अस्वीकृत करते हैं। और यह कह सकते हैं कि, कक्षा 8 के अध्ययनरत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि, शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (19.8) व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का मध्यमान (25.00) से कम है। अंतः हम कहते है कि, ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मराठीभाषा अधिगम मे शहरी क्षेत्र की अपेक्षा अधिक कठिनाइयॉ हैं।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश कि की लेखन के किस घटक में कठिनाइयॉ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र. 4.2.4 में दिया है।

तालिका क्र.4.2.4

"कक्षा 8के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को लेखन कौशलं के घटक में होनेवाली कठिनाईयॉं

क्र	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	शहरी	60	5.55	2.31	4.97	हैं।
		ग्रामीण	60	7.60	2.20		
2	वाक्यरचना	शहरी	60	4.23	1.50	7.72	हैं।
		ग्रामीण	60	6.07	1.31		
3	व्याकरण	शहरी	60	5.52	1.46	2.96	हैं।
		ग्रामीण	60	6.30	1.44		
4	लेखन	शहरी	60	4.50	1.10	2.53	हैं।
		ग्रामीण	60	5.03	1.21		

- स्वंतंत्रता की कोटी (df) 118
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.4 को देखने सें ज्ञात होता हैं। कि, शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण, लेखन में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम यह कह सकते हैं कक्षा 8 के अध्ययनरत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मराठी भाषा में शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण व लेखन में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने से ज्ञात होता हैं कि, ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शहरी क्षेत्र के विद्याथियों सें अधिक कठिनाईयां शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण, लेखन में होती हैं।

❖ 4.2.3 परिकल्पना – 3

"कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क्र.4.2.5

कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयां की तुलना।

क्र.	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D)	टीमान (t)	सार्थक अंतर
1	शहरी छात्र	30	20.6	5.48	1.54	नही हैं।
2	शहरी छात्राओं	30	19	4.35		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.5 को देखने से ज्ञात होता हैं कि,' t 'का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों स्वीकृत करते हैं, और यह कह सकते हैं कि,कक्षा 8 के शहरी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं की मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर नहीं है।

मध्यमान को देखने ज्ञात होता हैं कि, शहरी छात्र का अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (20.60) व छात्राओं की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (19.00) है। अंतः हम कह सकते है कि, शहरी छात्र व छात्राओं को मराठी भाषा अधिगम कठिनाइयाँ में सार्थक अंतर नही हैं।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश कि की, लेखन के किस घटक में कठिनाइयाँ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र. 4.2.6 में दिया है।

तालिका क्र.4.2.6

कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा मराठी भाषा लेखन कौशलं के घटक में होनेवाली कठिनाईयाँ

क्र.	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	छात्र	30	6.3	2.38	2.63	हैं।
		छात्राओं	30	4.8	2.01		
2	वाक्यरचना	छात्र	30	4.2	1.27	0.64	नहीं हैं।
		छात्राओं	30	4.27	1.72		
3	व्याकरण	छात्र	30	5.5	1.76	0.426	नहीं हैं।
		छात्राओं	30	5.53	1.11		
4	लेखन	छात्र	30	4.6	1.07	0.76	नहीं हैं।
		छात्राओं	30	4.4	1.13		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका कं. 4.2.6 को देखने सें ज्ञात होता हैं। कि, शब्दज्ञान, में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम यह कह सकते हैं, कि शहरी छात्र व छात्राओं को शब्दज्ञान में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में सार्थक अंतर हैं।

मध्यमान को देखने से ज्ञात होता हैं कि, शब्दज्ञान, में शहरी छात्र को छात्राओं सें अधिक कठिनाइयाँ होती हैं।

वाक्यरचना, व्याकरण व लेखन में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं हैं। हम यह कह सकते हैं, कि शहरी छात्र व छात्राओं को वाक्यरचना, व्याकरण व लेखन में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में कोई सार्थक अंतर नही हैं।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि, छात्र व छात्राओं कों वाक्यरचना, व्याकरण व लेखन में होने वाली कठिनाइयाँ समान हैं।

❖ 4.2.4 परिकल्पना – 4

"कक्षा 8के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क.4.2.7

"कक्षा 8के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों की तुलना।

क्र	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D)	टीमान (t)	सार्थक अंतर
1	ग्रामीण छात्र	30	26.5	2.73	3.13	हैं।
2	ग्रामीण छात्राओं	30	23.5	4.49		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.7 को देखने से ज्ञात होता हैं कि, ' t ' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों अस्वीकृत करते हैं। और यह कह सकते हैं कि, कक्षा 8 के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र व छात्राओं को मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने ज्ञात होता हैं कि, ग्रामीण छात्र का अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (26.5) व छात्राओं की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (23.5) है। अंतः हम कह सकते है कि, ग्रामीण क्षेत्र के छात्र को मराठी भाषा अधिगम में छात्राओं सें अपेक्षा अधिक कठिनाइयॉ है।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश कि की लेखन के किस घटक में कठिनाइयाँ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र. 4.2.8 में दिया है।

तालिका कं.4.2.8

"कक्षा 8के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र व छात्राओं द्वारा लेखन कौशलं के घटक में होनेवाली अधिगम कठिनाईयाँ

क्र	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	छात्र	30	8.27	1.70	2.44	हैं।
		छात्राओं	30	6.93	2.46		
2	वाक्यरचना	छात्र	30	6.77	1.14	5.00	हैं।
		छात्राओं	30	5.37	1.10		
3	व्याकरण	छात्र	30	6.2	1.21	0.55	नहीं हैं।
		छात्राओं	30	6.4	1.65		

4	लेखन	छात्र	30	5.27	0.91	1.56	नहीं हैं।
		छात्राओं	30	4.8	1.42		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका कं. 4.2.8 को देखने सें ज्ञात होता हैं। कि, शब्दज्ञान व वाक्यरचना में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम यह कह सकते हैं, कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र व छात्राओं को शब्दज्ञान व वाक्यरचना में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में सार्थक अंतर हैं।

मध्यमान को देखने से ज्ञात होता हैं कि, छात्र कों शब्दज्ञान व वाक्यरचना में छात्राओं सें अधिक कठिनाइयाँ होती हैं।

व्याकरण व लेखन में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं हैं। हम यह कह सकते हैं, कि ग्रामीण छात्र व छांत्राओं को व्याकरण व लेखन में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में कोई सार्थक अंतर नही हैं।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि,छात्र व छात्राओं कों व्याकरण व लेखन में होने वाली कठिनाइयाँ समान हैं।

❖ 4.2.5 परिकल्पना – 5

"कक्षा 8के अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के छात्र व ग्रामीण क्षेत्र के छात्र द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क्र.4.2.9

"कक्षा 8के अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के छात्र व ग्रामीण क्षेत्र के छात्र द्वारा मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों की तुलना

क्र	चर	विद्यार्थी संख्या(N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D)	टीमान (t)	सार्थक अंतर
1	शहरी छात्र	30	20.60	5.48	5.41	हैं।
2	ग्रामीण छात्र	30	26.50	2.73		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.9 को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि ' t ' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों अस्वीकृत करते हैं, और यह कह सकते हैं कि कक्षा 8 के अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के छात्र व ग्रामीण क्षेत्र के छात्र को मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने ज्ञात होता हैं कि, शहरी छात्र का अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (20.60) व ग्रामीण छात्र का अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (26.50) से कम है।

अंतः हम कह सकते है कि ग्रामीण छात्र को शहरी छात्र की अपेक्षा मराठी भाषा अधिगम में अधिक कठिनाइयाँ होती है।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश कि की, लेखन के किस घटक में कठिनाइयाँ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र. 4.2.10 में दिया है।

तालिका कं.4.2.10

"कक्षा 8के अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के छात्र व ग्रामीण क्षेत्र के छात्र द्वारा लेखन कौशलं में होने वाली कठिनाईयाँ

क्र	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	शहरी छात्र	30	6.30	2.38	3.65	है।
		ग्रामीण छात्र	30	8.27	1.70		
2	वाक्यरचना	शहरी छात्र	30	4.20	1.27	8.57	है।
		ग्रामीण छात्र	30	6.77	1.14		
3	व्याकरण	शहरी छात्र	30	5.50	1.76	1.79	नही है।
		ग्रामीण छात्र	30	6.20	1.21		
4	लेखन	शहरी छात्र	30	4.60	1.07	2.57	है।
		ग्रामीण छात्र	30	5.27	0.91		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका कं. 4.2.10 को देखने सें ज्ञात होता हैं कि, शब्दज्ञान, वाक्यरचना व लेखन में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं, हम यह कह सकते हैं, कि शहरी छात्र व ग्रामीण छात्र को शब्दज्ञान, वाक्यरचना व लेखन में में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में सार्थक अंतर हैं।

मध्यमान को देखने से ज्ञात होता हैं कि, शहरी छात्र की अपेक्षा ग्रामीण छात्र कों शब्दज्ञान, वाक्यरचना व लेखन में अधिगम कठिनाइयाँ अधिक होती है।

व्याकरण में '(t)' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नही हें हम यह कह सकते हैं कि, शहरी छात्र व ग्रामीण छात्र को वाक्यरचना में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में सार्थक अंतर नही हैं।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि, शहरी छात्र व ग्रामीण छात्र कों वाक्यरचना में होने वाली कठिनाइयाँ में समान है।

4.2.6 परिकल्पना – 6

"कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्राओं व ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं में मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अन्तर नहीं हैं।"

तालिका क्र.4.2.11

कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्राओं व ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं में मराठी भाषा में होने वाली अधिगम कठिनाईयों की तुलना।

क्र	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणविचलन (S.D)	टी,मान (t)	सार्थक अंतर
1	शहरी छात्राओं	30	19	4.35	3.95	हैं।
2	ग्रामीण छात्राओं	30	23.5	4.49		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका क्र. 4.2.11 को देखने से ज्ञात होता हैं कि, 't'का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम निराकरणीय परीकल्पना कों अस्वीकृत करते हैं। और यह कह सकते हैं कि, कक्षा 8 के

अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के छात्राओं व ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं में मराठी भाषा में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि, शहरी क्षेत्र के छात्राओं की अधिगम कठिनाईयों का मध्यमान (19.) व ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं का मध्यमान (23.50) सें बहुत कम है। अंतः हम कह सकते है कि, ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं को मराठी भाषा अधिगम में शहरी छात्राओं की अपेक्षा अधिक कठिनाइयाँ होती हैं।

इसके पश्चात शोधकर्ता ने यह की जानने कि कोशिश की लेखन के किस घटक में कठिनाइयाँ हैं उनका विश्लेषण तालिका क्र.4. 2.12 में दिया है।

तालिका कं.4.2.12

कक्षा 8के शहरी क्षेत्र के छात्राओं व ग्रामीण क्षेत्र के छात्राओं में लेखन कौशल्य के घटक में होने वाली कठिनाईयाँ

क्र	घटक	चर	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र.विचलन (S.D)	टी मान (t)	सार्थक अंतर
1	शब्दज्ञान	शहरी छात्राओं	30	4.80	2.01	3.73	हैं।
		ग्रामीण छात्राओं	30	6.93	2.46		
2	वाक्यरचना	शहरी छात्राओं	30	4.27	1.72	2.97	हैं।
		ग्रामीण छात्राओं	30	5.37	1.10		
3	व्याकरण	शहरी छात्राओं	30	5.53	1.11	2.41	हैं।
		ग्रामीण छात्राओं	30	6.40	1.65		
4	लेखन	शहरी छात्राओं	30	4.40	1.13	1.11	नहीं हैं।
		ग्रामीण छात्राओं	30	4.80	1.42		

- स्वतंत्रता की कोटी (df) 58
- सार्थकता स्तर 0.05

तालिका कं. 4.2.14 को देखने सें ज्ञात होता हैं। कि, शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण, में ' t ' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। हम यह कह सकते हैं कि, कक्षा 8 के अध्ययनरत शहरी क्षेत्र की छात्राओं व ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को मराठी भाषा में शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण, में होनेवाली अधिगम कठिनाईयों में सार्थक अंतर है।

मध्यमान कों देखने से ज्ञात होता हैं कि, ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को शहरी क्षेत्र की छात्राओं सें अधिक कठिनाईयाँ शब्दज्ञान, वाक्यरचना, व्याकरण में होती हैं।

लेखन में ' t ' का मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नही हैं। हम यह कह सकते हैं, कि शहरी छात्राओं व ग्रामीण छात्राओं को लेखन में होनेवाली अधिगम कठिनाइयों में कोई सार्थक अंतर नही हैं।

मध्यमान को देखने से यह ज्ञात होता हैं कि,शहरी छात्राओं व ग्रामीण छात्राओं कों लेखन में होने वाली कठिनाइयाँ समान हैं।